ISSN : 2455-4219
(UGC-Care Listed)

विचार
चिंतन
शोध सृजन

आलोचन दृष्टि

Aalochan Drishti

An International Peer Reviewed Refereed
Research Journal of Humanities

वर्ष-6 अंक-22 अप्रैल - जून, 2021

प्रधान-संपादक
डॉ० सुनील कुमार मानस

संपादक
डॉ० योगेश कुमार तिवारी

प्रबंध-संपादक
श्री सुधीर कुमार तिवारी

ISSN : 2455-4219
(UGC-Care Listed)

आलोचन दृष्टि

Aalochan Drishti

An International Peer Reviewed Refereed Research Journal of Humanities

वर्ष - 6 अंक - 22 अप्रैल-जून, 2021

Year - 06 Volome - 22 April-June, 2021

प्रधान-संपादक
डॉ० सुनील कुमार मानस

संपादक
डॉ० योगेश कुमार तिवारी

प्रबंध-संपादक
श्री सुधीर कुमार तिवारी

© **प्रकाशक :**
संपादकीय / प्रकाशकीय पता :–
आलोचन दृष्टि प्रकाशन,
आजाद नगर, बिन्दकी, जनपद–फतेहपुर,
उ0प्र0–212635
ई–मेल : aalochan.p@gmail.com
दूरभाष : 9451949951 / 7376267327

मुद्रण :– जय ग्राफिक्स एण्ड कान्सट्रक्सन,
आई0टी0आई0 रोड़, फतेहपुर–212601।

सदस्यता शुल्क	एक अंक	वार्षिक	आजीवन
व्यक्तिगत	300	1200	10,000
संस्थागत	400	1500	15,000

संरक्षक एवं सलाहकार मंडल

- **प्रो0 गिरीश्वर मिश्र,** शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति, म. गां. अं. हिं. वि., वर्धा, (महाराष्ट्र)।
- **प्रो0 चितरंजन मिश्र,** पूर्व प्रोफेसर, पं. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (उ0प्र0)।
- **प्रो0 नंदकिशोर आचार्य,** सुथारों की बड़ी गुवाड़, बीकानेर, राजस्थान–252028।
- **प्रो0 सदानंद गुप्त,** निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, (उ0प्र0)।
- **प्रो0 कृपाशंकर चौबे,** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, (महाराष्ट्र)।
- **प्रो0 माधवेन्द्र पाण्डेय,** हिन्दी विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालयए शिलांग, मेघालय।
- **प्रो0 प्रेमशंकर त्रिपाठी,** आशीर्वाद अपार्टमेन्ट, सी. ए. 5/10, देशबन्धु नगर, कलकत्ता।
- **प्रो0 दिलीप सिंह,** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.)।
- **प्रो0 आर0 एस0 सर्राजू,** हैदराबाद विश्वविद्यालय, (तेलंगाना)।
- **प्रो0 उमापति दीक्षित,** केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा (उ0प्र0)।
- **प्रो0 एस0 वी0 एस0 एस0 नारायण राजू,** तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, तमिलनाडु।
- **Shri. Tejendra Sharma,** Harrow & Weealdstone, Middlesex HA3 7AN (U.K.)
- **Mrs. Archana Painyuly,** Islevhusvej, 72 B, 2700, Bronshoj, Copenhagen, Denmark.

संपादक-मंडल

- **डॉ. उदयन मिश्र,** हरिश्चन्द्र पी. जी. कॉलेज, वाराणसी, (उ0प्र0)।
- **डॉ. बलराम शुक्ल,** संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **डॉ. दण्डिभोट्ला नागेश्वर राव,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, श्री चंदशेखरेंद्र सरस्वती विश्वविद्यालय, एनात्तूर–कांचीपुरम्, तमिलनाडु।
- **डॉ. शशिभूषण भट्ट,** संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, (उ0प्र0)।
- **डॉ. अमित दूबे,** आर्य महिला पी. जी. वाराणसी।
- **श्री राम कुमार मानिक,** शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, (उ0प्र0)।

विधि-परामर्शदाता

श्री **उमाशंकर त्रिपाठी** (एडवोकेट), सिविल कोर्ट, फतेहपुर उ0प्र0–212601।

नोट : सभी पद अवैतनिक एवं अव्यावसायिक हैं। प्रकाशित शोध–लेखों एवं उसमें दिये गये उद्धरणों के वाद–विवाद संबंधी किसी भी कार्यवाही का शोधकर्ता (लेखक) स्वयं जिम्मेदार होगा। इस तरह के किसी भी विवाद में संपादक, प्रकाशक एवं 'आलोचन दृष्टि' परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेंदारी नहीं होगी और किसी भी प्रकार के विवाद का समाधान फतेहपुर न्यायालय में होगा।

विषयानुक्रमणिका

1.	आधुनिक-भावबोध का नाटकीय-सन्दर्भ और 'ययाति' *डॉ. सुनील कुमार मानस*	1-3
2.	जनजातीय-जीवन में अस्तित्व का संघर्ष और उसकी औपन्यासिक-अभिव्यक्ति *डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय*	4-8
3.	साहित्य में किसान की लोक-भावभूमि (धरती तोरे अंचरा मा बीज ला बिखेरन) *डॉ. मीता शर्मा*	9-13
4.	साठोत्तरी हिंदी कविता में अलगाव एवं संत्रास *डॉ. मंजुनाथ एन. अंबिग*	14-18
5.	हिंदी लघुकथा में मानव जीवन के विविध संदर्भ डॉ. नवनाथ गाड़ेकर	19-21
6.	विशिष्ट आवश्यकता वाले बालकों के संदर्भ में राष्ट्रीय पाठचक्रम की रूपरेखा... *सुधीर कुमार तिवारी*	22-25
7.	महादेवी के काव्य की प्रणय चेतना(संयोग पक्ष के संदर्भ में) *चिन्मयी मिश्र*	26-30
8.	भारत में इच्छामृत्यु का विश्लेषणात्मक अध्ययन *वैभव भण्डारी*	31-35
9.	योग-दर्शन में ईश्वर की अवधारणा एवं समाधि-लाभ *पूनम गुप्ता एवं डॉ. बी. आर. शर्मा*	36-39
10.	कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में प्रवासी संकट : एक विश्लेषण *डॉ. ऋतेष भारद्वाज एवं डॉ. पिंकी पुनिया*	40-43
11.	इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता का स्वर *डॉ. शत्रुघ्न कुमार मिश्र*	44-46
12.	वीरेन्द्र मिश्र के गीतों में संवेदनात्मक-अवधारणा *मोहन बैरागी*	47-51
13.	लोकजीवन की भावसंगति दुनिया को उकेरता 'छ्करबाज़ नाच'(लौंडा नाच) *डॉ. सुनील कुमार शॉ*	52-54
14.	'हलाला' नारी-स्वतंत्रता के लिए एक चुनौती *जानी तुषार चंदुलाल*	55-58
15.	महिला शिक्षा : पर्यावरणीय संचेतना *मानसी पाण्डेय*	59-62
16.	तुलसी का समाज-दर्शन *डॉ. अर्चना पाण्डेय*	63-65

17. मृदुला गर्ग के आठवें दशक की कहानियों में भारतीय-नारी 66-69
मनोज कुमार सिंह

18. रीतियुगीन मुस्लिम कवियों की शृंगार-भावना 70-73
डॉ. अनुपम गुप्ता

19. हिन्दी उपन्यासों में थर्ड-जेंडर की सामाजिक चुनौतियाँ 74-77
अंकिता देवी

20. दलित साहित्य : आशय, अवधारणा और मुक्ति 78-81
किरण असवाल

21. रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों में धार्मिक एवं ऐतिहासिक वर्णन की प्रासंगिकता 82-85
कृपा शंकर

22. प्रेमचन्द के उपन्यासों में स्त्री-जीवन 86-89
शिप्रा श्रीवास्तव

23. योग-दर्शन में मन की अवधारणा 90-94
हिमांशु परिदा एवं डॉ. अंजला देवी

24. प्रेमचंद की दलित-जीवन से जुड़ी कहानियों का सांदर्भिक-विवेचन 95-98
डॉ. रमेश यादव

25. हानूश : एक कलाकार की मर्मांतक पीड़ा 99-100
मिथिलेश कुमार मिश्र

26. अशोक का धम्म 101-103
डॉ. अमित दूबे

27. गुर्जर-प्रतिहार अभिलेखों में वर्णित मंदिर-स्थापत्य 104-106
प्रवीण पाण्डेय

28. निजी क्षेत्र में कार्यरत ग्रामीण तथा शहरी महिला कर्मचारियों के कार्य-संतोष... 107-109
डॉ. अनामिका लिंका

29. **Analysing the Deteriorating Conditions of Prisons And Prisoners...** 110-113
Chaitanya Pant

30. **Transgressing the Boundaries: Resistance in *The Autobiography of a...*** 114-117
Dr. Anju K.N.

31. **Quest For Freedom In Mark Twain's Select Novels - A Pragmatic Study** 118-121
Chappali Vijaya Kumar & Dr. V. Ravi Naidu

32. **Psychological Distress : Origin and Expression** 122-125
Salvi Singh & Dr. Seema Singh

33. **Topic of Research Paper: The Plight of the Marginalised and....'Tara'** 126-128
Subhadeep Talukder

34. **Adverse Effects of Covid-19 : A Psychological Pandemic on the Way** 129-132
Dr. Anil Kumar Teotia

35. **Githa Hariharan's Female Protagonists in The Thousand Faces of Night...** 133-137
Dr. Naveen K. Mehta & Soumya Tiwari

36. **Role of ICT in Secondary Teacher Training Program with....** 138-142
Dr. Anita Joshi & Dr. Maya Joshi

37. **Challenges and impact of online Education during Covid19** 143-146
Dr. G. Sowbhagya

38. **Caste in a Foreign Land : Changing Aspects of an Indian Cultural...** 147-150
Kiran Jha

39. **Environment and Development : A Theoretical Study** 151-154
Kumar Prashant

40. **Mother as Oppressed Oppressor : Conceptualizing Internalized...** 155-158
Mariyam Parveen

41. **Reflection of Artistic Thoughts and Moral Vision in Iris Murdoch's...** 159-162
Dr. Naveen K. Mehta & Muskan Solanki

42. **An Analysis of Fake news on social media and its impact during covid...** 163-165
Ravi Shankar Maurya & Dr. Tasha Singh Parihar

43. **Criminology in Literature : Exploring the Subtle Crimes in Shakespeare...** 166-169
S. Jenosha Prislin & Dr. J. Santhosh Priyaa,

44. **Attitudes of U.G. Studeants Towards Social Media in Education** 170-173
Dr. Samir Kumar Lenka

45. **Spiritual Intelligence in the realm of Education : A Study on General...** 174-177
Mr. Sandip Sutradhar & Prof. Nil Ratan Roy

46. **Social Media Use and Its Impact on School Going Children** 178-181
Dr. Sapna Kashyap & Aarti

47. **Role of yoga for the mental and emotional well being** 182-185
Kaushal Kumar

48. **Reviewing the status of Psychological behavior and food security in...** 186-189
ILMA Rizvi, Ateeqa Ansari & Prof. Shahid Ashraf

49. **Cultural Archetypes in select novels of Achebe, Mohanty and Ngugi...** 190-192
Dr. B. S. Selina

50. **G. K. Mhatre : Revolutionary sculptor of Pre-Independence India** 193-195
Binoy Paul

51. **Are we actually riding on the learning wave in an ocean of Webinars...** 196-199
Dr. Ashish Mathur & Dr. Sona Vikas

52. **Role of the Mauzadars in the British-Nyishi Relations** 200-204
Dr. Tade Sangdo

53. **Contextualizing Jyotiprasad Agarwala's Political Ideology of Beauty...** 205-209
Dr. Umakanta Hazarika

54. **Study of Attitude of Arts And Science D.El.Ed Trainees Towards...** 210-214
Swati Pant Lohni & Dr. Maya Joshi

55. **Resistance through Persistence : A critical study of *The Vegetarian*** 215-218
Dr. Anju E. A.

56. **Accessibility of Assistive Technology for Inclusion of Differently Abled...** 219-222
Amit Shanker & Ravi Kant

57. **Justice delayed is justice denied : Prison and Multitudinal Traumatic...** 223-225
Smitha Mary Sebastian

58. **Gandhi's Concept of Religion** 226-228
Tinku Khatri

59. **Spatial Inequalities in the Distribution of Critical Household...** 229-233
Rambooshan Tiwari & Prashant Tiwari

60. **The New Future Of Event Management in Post COVID Era** 234-236
Anup M. Gajjar & Dr. Bhaveshkumar J. Parmar

61. **Students' Perception About Celebrity Endorsement : A Study of....** 237-241
Amit Kumar Pahwa & Dr. Ekta Mahajan

पत्रिका में शोध-लेख/ आलेख प्रकाशन के नियम

1. आपके द्वारा प्रेषित शोध–लेख/ आलेख मौलिक, स्तरीय, प्रकाशन के योग्य एवं अप्रकाशित हो, तथा आपके द्वारा **आलोचन दृष्टि** द्वारा जारी किया गया **लेखक का घोषणा–पत्र** फार्म अवश्य भरा होना चाहिए।

2. अपने शोध–लेख/आलेख (हिन्दी व संस्कृत के Kruti Dev 10 में और अंग्रेजी के O Times New Roman Font में) की वर्ड एवं पीडीएफ फाइल बनाकर सीडी या डीवीडी में हार्ड कॉपी के साथ **आलोचना दृष्टि, कार्यालय** के पते में प्रेषित करें। आपको यदि अपने शोध–लेख/आलेख का **स्वीकृत पत्र** चाहिए तो एक लिफाफे में अपना नाम, पता पिन कोड सहित लिखकर, आवश्यक स्पीड पोस्ट की डाक टिकट लगाकर भेजें और 3–4 महीने तक अनावश्यक कोई कॉल किसी भी **आलोचना दृष्टि** के प्राधिकारी से न करें। यदि किसी पदाधिकारी से बात करने की जरूरत पड़े तो शाम 6.00–8.00 के बीच संपर्क करें।

3. **शोध–लेख/आलेख में मोबाइल नंबर, ई–मेल एवं पता अंकित होना चाहिए।**

4. शोध–लेख/आलेख की जांच **संपादक मंडल** एवं **आलोचन–दृष्टि–परिवार** के द्वारा की जाएगी उसके उपरांत ही शोध–लेखों/आलेखों को प्रकाशित किया जायेगा, जिसमें **संपादक मंडल** का **निर्णय** अंतिम और सर्वमान्य रहेगा।

5. शोध लेख **यूजीसी** के मानक के अनुरूप होने चाहिए और **संदर्भ–सूची** में पुस्तक का नाम, लेखक का नाम, प्रकाशन का नाम, संस्करण–वर्ष एवं पृष्ठ संख्या तथा पत्रिका के संदर्भ हेतु, उसका अंक, वर्ष, पृष्ठ संख्या आदि– निश्चित रूप से अंकित होने चाहिए। ऐसा न होने पर लेख की **संदर्भ–सूची** को भ्रामक माना जाएगा।

6. पत्रिका के प्रकाशन हेतु लेखकों, पाठकों एवं आलोचकों से सदस्यता भी अपेक्षित रह सकती है, क्योंकि पत्रिका को कोई अनुदान या अंशदान नहीं प्राप्त हो रहा।

7. हिन्दी एवं संस्कृत के शोध–लेखों/आलेखों के लिए 2000–3000 और अंग्रेजी के शोध–लेखों/आलेखों के लिए 2000–2500 शब्द–सीमा निर्धारित की गई है, अतः शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

8. पत्रिका में सर्वेक्षणात्मक की अपेक्षा वैचारिक शोध–लेखों/आलेखों को वरीयता प्रदान की जायेगी।

संपादक

'आलोचन दृष्टि' परिवार की ओर से प्रो. राम सजन पांडेय को भावभीनी एवं विनम्र श्रद्धांजलि

प्रो. राम सजन पांडेय सर का जन्म उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में स्थित **सेमरियावाँ** नामक गाँव में **1 जनवरी 1957** को **अँगनू राम पांडेय** एवं **कमला देवी** की छः संतानों में चौथी संतान के रूप में जन्म हुआ। अध्ययन के क्षेत्र में आपकी विशेष रुचि देखते हुए आपके माता–पिता ने आपको पढ़ने एवं बढ़ने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया। 1973 में हाईस्कूल, 1975 में इंटरमीडिएट, 1977 में ग्रेजुएशन, 1979 में पोस्ट ग्रेजुएशन, 1983 में 'विद्यापति का सौंदर्यबोध' विषय पर अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से पीएच.डी. की उपाधि और 1993 में 'भक्तिकालीन हिंदी निर्गुण काव्य का सांस्कृतिक अनुशीलन' विषय पर कानपुर विश्वविद्यालय से डी. लिट. की उपाधि प्राप्त की। आपने 'महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक' एवं 'इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी, मीरपुर–रेवाड़ी' में 3 दशक से अधिक प्राध्यापन कार्य किया, जहाँ समय–समय पर 'विभागाध्यक्ष' एवं 'संकाय प्रमुख' के पद को भी सुशोभित किया। वर्तमान में, 'बाबा मस्तराम विश्वविद्यालय, रोहतक' में कुलपति के रूप में कार्यरत रहे।

'उत्प्रेक्षा की अवधारणा', 'संतो की सांस्कृतिक संसृति', 'संस्कृति और सौंदर्य' सहित आपकी लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं और लगभग इतनी ही पुस्तकें आपने संपादित भी की। आपने अपने प्राध्यापक–काल में 58 छात्रों को पीएचडी, 88 छात्रों को एम. फिल. और एक शोधार्थी को पी.डी.एफ. कराया। आपने दो मेजर प्रोजेक्ट्स 'स्वातांत्र्योत्तर राम और कृष्ण का कथात्मक प्रबंध काव्यों के अनुसंधान की समालोचना' एवं 'बीसवीं शती के पौराणिक आख्यान–मूलक काव्य में नारी' का कार्य भी पूर्ण किया। आप लगभग दो दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों में मेंबर, अध्यक्ष, सदस्य, विषय–विशेषज्ञ की रूप में कार्यरत रहे। 'राष्ट्रभाषारत्न हिंदी' एवं 'साहित्य महोपाध्याय' सहित आपको लगभग एक दर्जन पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए। आपके छः दर्जन से अधिक साहित्यिक–कार्यक्रमों का प्रसारण रेडियो–स्टेशन और टेलीविजन पर हुआ। आपके अकादमिक योगदान पर कई शोध–कार्य भी हुए हैं। दूसरे की सेवा का हर अवसर तलाश करने वाले प्रो. पांडेय सर अपने समय के उन प्राध्यापकों में हैं, जो केवल उच्च और प्रतिष्ठित पदों में बैठे लोगों से ही सौहार्द का भाव नहीं रखते रहे हैं बल्कि विद्यार्थी, शोधार्थी एवं सामान्य–व्यक्ति भी उनके सहयोग, सौहार्द और अपनत्व का पात्र बनता रहा है। जो उन्हें जानता है, वह उनकी तारीफ ही करता है।

मेरी पहली मुलाकात प्रो. पांडेय सर से 2015 में 'काशी हिंदू विश्वविद्यालय' के 'यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस' में हुई, वहीं से उनके प्रति एक गहरा आत्मिक–लगाव हो गया। 2016 में मैंने 'आलोचन दृष्टि' नाम की शोध–पत्रिका निकालना शुरू किया, जिसमें वे 'संरक्षक और सलाहकार मंडल' के सदस्य के रूप में रहते हुए, पत्रिका को आगे बढ़ाने का मार्गदर्शन ही नहीं दिया बल्कि अपने अनेक सुझाव प्रदान करके मेरे संबल और प्रोत्साहन का आधार बनते रहे। मेरी उनसे एक विशेष निजता रही।... संघर्ष के दिनों में वे मुझसे हमेशा एक बात बोलते थे– 'अपना काम करते रहो, ईश्वर तुम्हारी मदद करेगा।' ईश्वर के प्रति उनकी गहरी–आस्था और अगाध–विश्वास रहा है। महीने–15 दिन में मेरी उनसे जरूर बात होती थी। उनका वाक्य 'कैसे हो मानस और क्या कर रहे हो'– मेरी स्मृति का विशेष हिस्सा आज भी है।...

पाण्डेय सर को जीवन और समाज का बहुत ही गहरा अनुभव था। हर एक बात और विचार की उन्हें जमीनी समझ थी और मनोविज्ञान की गहरी परख भी। एक ही नजर में लोगों को पहचान लेते थे और स्वाभिमानी ऐसे थे कि किसी व्यक्ति से जल्दी सहयोग लेना स्वीकार नहीं करते थे। सरल, सहज, सौम्य एवं अकादमिक व्यक्तित्व के धनी प्राध्यापक पाण्डेय सर, तमाम शारीरिक परेशानियों के बावजूद भी अकादमिक–कार्य करते रहने के पक्षपाती रहे हैं। ऐसी जिजीविषा रखने वाले कर्मठ–व्यक्ति (सर) कोरोना को हराते–हराते, अंततः **7 मई, 2021** को हार जाते हैं। कितनी बड़ी विडंबना और सच्चाई है कि जिस व्यक्ति की जरूरत परिवार और समाज को सबसे अधिक होती है, उसको भगवान भी अपने पास जल्द ही बुला लेता है। आज पांडेय सर की स्मृतियाँ और बातें रह–रह कर याद आ रही है, जिसके विषय में कुछ कह पाना– मेरे लिए बहुत कठिन है...।

मैं गहरे आघात और दुःख के साथ 'आलोचना दृष्टि' परिवार की ओर से सर को भावभीनी एवं अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। ईश्वर उन्हें अपनी शरण में स्थान दें और परितृप्त परिजनों को दुःख सहने का संबल भी प्रदान करें। मैं अच्छी तरह से जानता हूँ कि वह जहाँ भी रहेंगे– अपनी वृत्ति से सबको मोह लेंगे....।

– डॉ. सुनील कुमार मानस

आलोचन दृष्टि
आजाद नगर, बिन्दकी, जनपद–फतेहपुर, उ0प्र0–212635
ई–मेल : aalochan.p@gmail.com
दूरभाष : 09451949951 / 7376267327